पचास

FIFTY RUPEES

Rs.50

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

राम नगीना विन्ध्य संस्थान, मझौली, झारो कलाँ, दुद्धी, सोनभद्र

न्यास पत्र

हम कि **आनन्द प्रकाश सिंह यादव** पुत्र श्री **राम नगीना सिंह यादव** ग्राम–शिवदासीचक, पोस्ट–बासूचक, जिला गाजीपुर (उ0प्र0) का हूँ। हम मुकिर समाज के आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिक विकास हेतु निरन्तर कार्य करता रहा हूँ तथा हम मुकिर के मन मस्तिष्क में अपने व्यक्तिगत कार्यों के साथ–साथ राष्ट्र एवं समाज हित का चिन्तन बना रहता है। हम मुकिर की हार्दिक इच्छा है कि समाज के सुख शान्ति आपसी सदभाव व विश्वास, सदाचार; शिक्षा एवं आर्दश नागरिक गुणों के स्वास्थ्य एवं आदर्श गुणों की स्थापना हो। समाज के साधनहीन व्यक्तियों के जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं भोजन, शिक्षा व आवास की स्थापना हो तथा शिक्षित बेरोजगारों को उनके योग्यता के अनुरूप तकनीकी व व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें रोजगारों का अवसर उपलब्ध कराया जाय। समाज के सामुदायिक विकास में परस्पर भाई चारा साम्प्रदायिक तालमेल बनाये रखने व समाज को शिक्षित करने में लिंग भेद, जाति पाति, छुआ छुत, धर्म, एवं सम्प्रदाय, ऊँच –नीच की भावना कही सं बाधक न हो। जनहित में उक्त कार्यों को संचालित करने तथा उससे लोगों को आधिकारिक लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न विधाओं में समाज को शिक्षित किये जाने की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं एवं समितियों का गठन किया जाना आवश्यक पाकर उसकी पूर्ण व्यवस्था के लिए हम मुकिर द्वारा एक कल्याणकारी न्यास/ट्रस्ट की स्थापना की गयी है। हम मुकिर अपने उक्त हार्दिक इच्छा की पूर्ति के लिए तथा इस हेतु आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के बाबत रू0 10.001/–(दस हजार एक) का एक न्यास कोष स्थापित किया गया हैं और आगे भी इस न्यास कोष में विभिन्न उपायों से धन व चल अचल सम्पत्ति की व्यवस्था करते रहेंगें। हम मुकिर नें अपने द्वारा स्थापित उक्त न्यास की सुचारू व्यवस्था एवं प्रसासन के बाबत एक न्यास पत्र को भी निस्पादित किया है। जिसकी स्थापना निम्न रूपेण की जायेगी।

1. यह कि हम मुकिर द्वारा स्थापित न्यास/ट्रस्ट का नाम " **राम नगीना विन्ध्य संस्थान, मझौली, झारो कलाँ, सोनभद्र**" होगा। जिसे इस न्यास पत्र के आगें "**न्यास**" अथवा "**ट्रस्ट**" शब्द से संबोधित किया गया है।